06/02/2017; Issue 062 ₹ 1
पं ग वा ड़ी मा सि क
प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in
पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा
अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्लि कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपा सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

जिन्दगी — गीता शर्मा

हरेक मेहणु यक पिछाण भो अ जिन्दगी, कसेरी लिए यक वरदान त कसेरी लिए यक शाप भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए यक सवाल, त कसेरी लिए यक जबाव भो अ जिन्दगी, कसेरी लिए ऐणेवाड़ा शुई, त कसेरी लिए घेणेवाड़ी रात भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए यक खरा दन, त कसेरी लिए भयकर रात भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए यक खुशीए बरशाड़, त कसेरी लिए गमे हिऊंत भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए खिलता गुलाब, त कसेरी लिए शुखो फियुड़ भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए खुशी तिहार, त कसेरी लिए गमे वरात भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए उजड़ता घर-परिवार, त कसेरी लिए खिलता बाग-बागीचा भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए बदलींता मौसम, त कसेरी लिए घेन्ता बरशाड़ भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए फुकिणेवाड़ी धुप, त कसेरी लिए ठन्नी शोहधि भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए बहन्ता दरियो, त कसेरी लिए रुको पणि लब्बु भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए कुरा कागज, त कसेरी लिए खुली कताब भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए मर्जी पंजरा, त कसेरी लिए उम्मीदे जाल भो अ जिन्दगी। कसेरी लिए उम्मीदे शुरुवात, त कसेरी लिए आशाई अन्त भो अ जिन्दगी। अपल तकर त अउं सोचतीथ कि में लिए यक अबल एहसास भो अ जिन्दगी, पर अब में लिए यक उलझो सवाल भो अ जिन्दगी।

पन्जाहे नोट

यक मेहणु दफ्तर केआं चेरे रात तकर कम करण केआं थकी कइ गी पुजा। दवार खोलते त तेन हेरु कि तसे पन्ज साले कुवा उंघोरा नेई त अपु बोउ भाड़ण बिशो असा। अन्तर एन्ते त कोइए पुछू, 'बोउआ, अउं तुसी केआं यक सवाल पुछ सकता ना?' बोउए बोलु, 'ऑ-ऑ पुछ, कि पुछता?' कोइया। 'बोउआ, तुस यक घण्टे अन्तर कत कमाते?' एस जोइ तें कि लेणा-देणा.....तु बेकार सवाल किस करण लगो असा?' बोउए धिक लेहरी कइ इ जवाब दता।

कुवा 'अउं बस इहाणि पुछण लगो असा, बोले बे कि तुस यक घण्टे अन्तर कत कमाते?' बोउए लेहरी कइ तसे धे हेरु त बोलु 100 रुपेई" 'ठीक' तउं कोइए उन्न कुशी कइ मठे बोलु, 'बोउआ तुस मेन्धे 50 रुपेई उधार दी सकते ना?' अतु बोते त तसे बोउ लेहरी गा, 'अच्छा, तउं तु फलतु सवाल करण लगो थिआ ना?' ताकि तु मोउं केआं पैसे नी कइ कोइ बेकार खिलौना या उटपटाग चीज खरीद सकियल।

पन्जाहे नोट

चुप-चप अपु कमरे गा त उंघीण दे। सोचणी दे तु कत मतलबी असा। अउं दन रात मेहनत कर कइ पैसा कमाता त तु तस बेकार चीजी जोइ बरबाद करण चहंता।' ईं शुण कइ कोइए टीरी बइ अखू एइ गए त से अपु कमरे जे घेइ गा।

तेस मेह्णु हउ बि लेहर अओरी थी त सोचुण लगो थिआ कि अखिर कुवा ईं बोलुणे हिम्मत कीं आइ। पर यक आधे घण्टे केआं पता से थोडा शांत भुआ, त सोचुण लगा कि भोइ सकतु कि सच्चे में कोइए कसे जरुरी कम जे पैसे मगो भोल। किस कि आज केआं पहेले तेन कदि ईं पैसे न थिए मगो। फि से खइ भोइ कइ अपु कोइए कमरे गा त बोलु, 'तु उंघ गा ना?' 'ना' जवाब दूतू।

बोउए बोलु, 'अउं सोचुण लगो थिआ कि शायद बेकार अन्तर तोउं जे लेहरिया, दरअसल दन भइ कम करणे बेलिए अउं सुआ थकि गओ थिआ।'

'मोउं माफ कर हआ अपु पन्जहा रुपेई टा।' ईं बोल कइ तेन अपु कोइए हथ अन्तर पन्जहाए नोट छइ छड़ा।

कोइए खुश भोइ कइ पैसे निए त बोलु, 'धन्यवाद बोउआ' तउं से दौड़ दी कइ अपु अलमरी केई गा, तठिया तेन सुआ सिक्के कढे त गणण लगा।

ईं हेर कइ तेस मेह्णु फि लेहर ऐण लगी त बोलु, 'तोउं केई पहेलाई पैसे थिए त मोउं केआं किस मगे?' कोइए बोलु, 'किस कि मोउं केई पैसे घठ थिए, पर अब पूरी गए।'

'बोउआ अब मोउं केई 100 रुपेई असे, अब कि अउं तुं यक घण्टा खरीद सकता ना? छने-बने तुस इन्हि पैसी घिन घिए त शुइ बियदी गी झठ एइ घिए। अउं तुसी जोइ साते बिश कइ खाजे खाण चाहंता।'

दोस्तो, इस जिन्दगी भाग-दौड़ अन्तर अस अत ब्यसत भोइ घेन्ते कि तन्हि इन्सानी जे टेम न कढ बटते, जे हे जिन्दगी अन्तर खास असे। तउं त असी ध्यान रखण ऐन्ता कि इस भाग-दौड़े जिन्दगी अन्तर बि असी अपु ई-बोउ, लखि सथि, गभुरु त दोस्ती जे टेम कढण। न त यक रोज असी बि एहसास भुन्ता कि असी छोटी-मोटी चीजे पाणे लिए सुआ किछ खोई छऊ।

बोउ अपु कुआ पुछ्ण लगो असा..... बबीता

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

सोभि पंगेई मेहणु के छने अरे कते हियुंत मेहना लगो असा त सुआ ठन्यारी असी। तिहार बि लगणेवाड़े असे त सुआ अराख न पिए। अपु कुई-चीड़ी त सकि नति जोइ तिहार मनए। सुवा अराख पी कइ अपु सेहद खराब न करें।.....